केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 243 बुधवार 2 अप्रैल 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

खतौनी काउन्टरों की संख्या बढाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वरिष्ठ अधिवक्ता कृष्ण कुमार उपाध्याय ने जिलाधिकारी से बस्ती सदर तहसील परिसर में खतौनी प्राप्त करने के लिये काउन्टरों की संख्या बढाये जाने की मांग किया है।

प्रेस को जारी एक विज्ञप्ति के माध्यम से अधिवक्ता कृष्ण कुमार उपाध्याय ने बताया कि खतौनी प्राप्त करने के लिये प्राप्त एक मात्र काउन्टर होने के कारण दूर दराज से आने वाले लोगों को लम्बी प्रतीक्षा करनी पड़ती है। बताया कि पूर्व में खतौनी के लिये तीन काउन्टर संचालित किये जा रहे थे जो घट कर अब एक हो गया है। इससे लोगों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। मांग किया कि जन सुविधा को देखते हुये खतौनी प्राप्त करने के लिये काउन्टरों की संख्या बढायी जाय।

उद्योग व्यापार बंधु की बैठक में उठे मुद्दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी के निर्देशानुसार मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बन्धु व व्यापार बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न हुआ, जिसमें उन्होने उद्यमियों की समस्याओं को गहनता से सुना और उसका निराकरण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। मुख्य विकास अधिकारी ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण सहायता, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सरकार द्वारा संचालित लाभपरक योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को अवश्य मिलें। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाय।

बैठक में व्यापार बन्धु समिति के सदस्यों ने पाईप लाईन, बड़ेवन सर्विस रोड पर अधूरा नाला, सड़को के डिवाइडरों पर रिफ्लेक्टर ना लगा होना, गॉधीनगर में पार्किंग की समुचित व्यवस्था न होना, दक्षिण दरवाजा से मंगल बाजार तक जर्जर सड़क सहित अन्य समस्याओं के संबंध में मुख्य विकास अधिकारी को अवगत कराया। उन्होने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण हेतु निर्देशित किया।

बैठक का संचालन उपायुक्त (प्रशासन) राज्य कर उपेन्द्र यादव ने किया। इसमें एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप, एलडीएम आर.एन. मौर्या, जिला सेवा योजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा, ईओ नगरपालिका सुनिष्ठा सिंह, अधिशासी अभियन्ता विद्युत मनोज कुमार,,अशोक सिंह, अनिल सिंह एस.सी. शुक्ला सहित संबंधित अधिकारी व समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

अवैध ई-रिक्शा, आटो के विरूद्ध चला अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) पंकज कुमार ने बताया कि अपंजीकृत एवं अवैध ई–रिक्शा वाहनों के विरूद्ध विशेष चेकिंग अभियान दिनांक 01 से 30 अप्रैल 2025 तक परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग के सयुक्त अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये गये है। अभियान के दृष्टिगत मंगलवार को परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग के सहयोग से शहरी क्षेत्रों में संचालित लगभग 150 ई–रिक्शा एवं आटो रिक्शा चेक किये गये जिसमें 25 ई–रिक्शा एवं आटो रिक्शा वाहनों को पुलिस लाइन, बस्ती परिसर में बिना वैध प्रपत्रों एवं बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के संचालन में निरूद्ध किया गया।

वक्फ बिल पर वोटिंग के लिए भाजपा ने जारी किया व्हिप

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक पर वोटिंग होनी है। इसके लिए भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने कमर कस ली है। यहां तक कि भाजपा ने मंगलवार को ही व्हिप जारी कर दी है और अपने सभी सांसदों से लोकसभा में मौजूद रहने को कहा है। पार्टी की ओर से जारी व्हिप में कहा गया कि बुधवार को सदन में अति महत्वपूर्ण विधायी कार्य है। उन्हें पारित करने के लिए सभी लोग पार्टी का समर्थन करें और वोटिंग करें। व्हिप में सभी सांसदों से

पूरे दिन सदन में ही मौजूद रहने को कहा गया है। भाजपा के पास लोकसभा में 240 सांसद ही हैं।सरकार जेडीयू और टीडीपी पर निर्भर है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि इस विधेयक को लेकर किस दल का क्या रुख रहेगा। अब तक चिराग पासवान की पार्टी लोजपा–आर ने खुलकर समर्थन नहीं किया है, लेकिन विपक्ष को मुसलमानों को डराने से बचने की नसीहत दी है।

सफाई कर्मियों ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ पदाधिकारियों और सफाईकर्मियों ने जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य के नेतृत्व में अटेवा, एन.एम.ओ.पी.एस. मंच प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। एन.पी.एस., यूपीएस का विरोध करते हुये मांग किया कि केन्द्र और राज्य सरकार पुरानी पेंशन नीति ओ.पी.एस. को तत्काल प्रभाव से बहाल करे।

ज्ञापन देने के बाद जिलाधिकारी कार्यालय पर अपने सम्बोधन में उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष अजय आर्य ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर निरन्तर चरणबद्ध ढंग से संघर्ष किया जा रहा है किन्तु केन्द्र और उत्तर प्रदेश की सरकार चुप्पी साधे हुये हैं। जब तक पुरानी पेंशन बहाली की मांग पूरा नहीं हो जाता चरणबद्ध ढंग से संघर्ष जारी रहेगा। कहा कि लगातार आन्दोलनों काही प्रभाव है कि सरकार ने एन.पी.एस. और यूपीएस लागू किया। हमारी एकजुटता बनी रही तो सरकार को पुरानी पेंशन नीति बहाल करना ही होगा। कहा कि सरकार अपने हठवादिता पर अड़ी हुई है किन्तु कर्मचारियों, और विभिन्न संवर्गो के कर्मचारियों की एकजुटता के आगे सरकार को झुकना ही होगा।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से मनोज चौहान, पेशकार, राम कृपाल चौधरी, अमित चक्रवर्ती, अशोक कुमार दूबे, संजय यादव, रामपाल भारती, राम सुरेश, जगदीश सैनी, शितांश श्रीवास्तव, चन्द्र मोहन मिश्र, अमजद खान, जसवन्त कुमार, राजू चक्रवर्ती, राज बहादुर, हृदयलाल, राजेश उपाध्याय के साथ ही बड़ी संख्या में सफाईकर्मी शामिल रहे।

नाम बदलने की राजनीति खतरनाकः मायावती के संदेश से सबक ले राजनीतिक दल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बहुजन समाज पार्टी जिलाध्यक्ष अनिल गौतम ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि जनहित के सवालों को लेकर बसपा राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन मायावती लगातार संघर्ष कर रही है। उनके एक्स हैन्डल का हवाला देते हुये अनिल गौतम ने बताया कि बहन मायावती ने स्पष्ट कर दिया है कि यूपी की रही सपा सरकार की तरह ही महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड व यूपी आदि भाजपा सरकार द्वारा जिला, शहरों व संस्थानों आदि के नामों को बदलने की प्रवृति कानून के राज का गवरनेन्स नहीं बल्कि द्वेष व भेदभाव के आधार पर अपनी विफलताओं पर पर्दा डालने की अति चिन्तनीय संकीर्ण राजनीति की जा रही है। बहन जी ने कहा है कि सन 1995 के अविभाजित उत्तर प्रदेश से लेकर सन 2012 तक बीएसपी की चार बार रही सरकारों में गुड गवरनेन्स को ध्यान में रखकर अनेकों नई कल्याणकारी योजनाएं व जिले, तहसील, अस्पताल, यूनिवर्सिटी आदि नए नामों से बनाए गए, किसी का नाम नहीं बदला गया। सरकारों को इससे जरूर सीख लेनी चाहिए।

बसपा जिलाध्यक्ष अनिल गौतम ने कहा कि अच्छा हो कि संकीर्ण सोच रखने वाले बहन जी के संदेश से सबक ले और नाम बदलने की जगह काम पर ध्यान दे।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द का हुआ भव्य स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र का पार्टी के वरिष्ठ नेता विपिन कुमार शुक्ल के संयोजन में जिगिना चौराहे पर फूल मालाओ के साथ भव्य स्वागत किया गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द ने कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती का संकल्प दिलाते हुए कहा कि भाजपा की विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने के लिए हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है, और हम सभी मिलकर पार्टी को और अधिक मजबूत बनाएंगे।

भाजपा नेता विपिन शुक्ल, आयुष शुक्ल ने कहा कि आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी अपने नीति, कार्यक्रम के आधार पर निर्णायक जीत हासिल करेगी।

स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से लल्लू पाण्डेय, विनोद शुक्ल, महेश यादव, अनिरूद्ध श्रीवास्तव, राजेन्द्र विश्वकर्मा, शिशिर श्रीवास्तव, सुखसागर उपाध्याय, अमन चौधरी, हर्ष पाण्डेय के साथ ही भाजपा के अनेक नेता, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

हीट बेव से निपटने की विशेष तैयारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गर्मी के बढ़ते, तापमान के चलते हीट वेव का खतरा तथा भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की चेतावनी के अनुसार इस वर्ष की गर्मी और भी अधिक तीव्र होने वाली है। उक्त जानकारी देते हुए अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) प्रतिपाल सिंह चौहान ने बताया कि जिले के प्रशासन ने हीट वेव से निपटने के लिए विशेष तैयारी शुरू कर दी है और आम जनता को जागरूक करने के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होने बताया कि इस एडवाइजरी के तहत जिलाभर में हीट वेव के खतरों के प्रति जन जागरूकता फैलाने और आवश्यक सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी देने के लिए विशेष कदम उठाए जा रहे हैं।

संगठन की मजबूती पहला लक्ष्य- विवेकानन्द

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों ने नव नियुक्त जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र का बहादुरपुर विकास खण्ड क्षेत्र में बेईली के निकट स्थित एक मैरेज हाल में क्षेत्र पंचायत प्रमुख प्रतिनिधि शैलेन्द्र कुमार दूबे के संयोजन में फूल मालाओं के साथ स्वागत किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के मान सम्मान की रक्षा, संगठन का विस्तार कौर जनहित के कार्यक्रमों का जमीनी धरातल पर व्यवहारिक क्रियान्वयन उनकी प्राथमिकता है। उन्होने पार्टी कार्यकर्ताओं का आवाहन किया कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में पात्रों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में रचनात्मक सहयोग करें। हर चेहरे पर मुस्कान भाजपा की प्राथमिकता है। प्रमुख प्रतिनिधि शैलेन्द्र कुमार दूबे ने कहा कि भाजपा के नीति, कार्यक्रम और योजनाओं से पात्रों को लाभान्वित किये जाने की दिशा में निरन्तर कार्य किये जा रहे हैं। इस आधार पर आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र के कुशल नेतृत्व में जीत का रेकार्ड बनायेगी।

स्वागत करने वालों में पूर्व विधायक रवि सोनकर, बहादुरपुर ब्लाक प्रमुख राम कुमार, कृष्ण कुमार दूबे, अनिल चौधरी, कृष्ण मुरारी उपाध्यय, राजकुमार शुक्ल, प्रवेश चौधरी, सुनील, रणजीत सिंह, विजय यादव, अमन उपाध्याय, शिवम, रामाशीष, अभिषेक सिंह, कन्हैया दूबे, राम गोपाल, गोरखनाथ गोस्वामी, गौरव बरनवाल, दीपक चौधरी, जितेन्द्र दूबे, त्रयम्बक तिवारी, देवशरण यादव, शिवशंकर गुप्ता, सचिन कन्नौजिया, रवि, महेन्द्र, अंश के साथ ही भाजपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

संचारी रोग नियंत्रण के लिये निकली जागरूकता रैली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल ने अटल बिहारी बाजपेयी प्रेक्षागृह परिसर में विशेष संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान माह का फीता काटकर शुभारम्भ करते हुए जागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह रैली संचारी रोगों से बचाव/रोकथाम के लिए आम जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से निकाली गयी। संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक तथा दस्तक अभियान 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक संचालित किया जाएगा।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित लोगों को बुखार के समुचित

इलाज की शपथ भी दिलाया। उन्होने कहा कि दिमागी बुखार जानलेवा हो सकता है या रोग के बाद शारीरिक और मानंसिक विकलांगता भी ला सकता है। इसलिए बुखार होने पर तत्काल नजदीक के सरकारी अस्पताल में ले जाये। जनपद के प्रत्येक सीएचसी/पीएचसी पर बुखार के समुचित इलाज की व्यवस्था है। इस अवसर पर सभी ने अपने गॉव, ब्लाक, जनपद और प्रदेश को दिमागी बुखारमुक्त करने के लिए संकल्प लिया।

उन्होने इसकी प्रतिबद्धता दोहराई कि शौचालय का प्रयोग करेंगे और अन्य लोगों को भी प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। व्यक्तिगत साफ–सफाई का ध्यान रखेंगे, अपने घर के आस–पास साफ–सफाई रखेंगे। यदि कोई बच्चा बुखार से पीड़ित होगा तो उसके परिवार को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल जाने हेतु प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर सीएमओ डा. राजीव निगम, विधायक प्रतिनिधि हर्रैया सरोज बाबा, सदर के मो. सलीम, नगरपालिका अध्यक्षा प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, रोटरी क्लब के अध्यक्ष एल.के. पाण्डेय तथा विभागीय चिकित्साधिकारीगण उपस्थित रहें।

आरोपी सिपाहियों से मेरा कोई सम्बन्ध नहीं- अजय सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र के उभाई में हुए आदर्श उपाध्याय मौत प्रकरण में सिपाहियों के पक्ष लेने के आरोप को हर्रैया विधायक अजय सिंह ने एक सिरे से खारिज किया है। इस दौरान हर्रैया विधायक अजय सिंह भावुक हो गए। आदर्श उपाध्याय के घर पहुंचे विधायक ने कहा कि सिपाही के स्थानांतरण के लिए उन्होंने घटना के चार दिन पहले ही पुलिस अधीक्षक से सिफारिश कर दिया था। कारण वह एक अन्य मामले में गड़बड़ी कर रहा था। दूसरा सिपाही जिसे मेरी बिरादरी का बताया जा

रहा है वो दूसरी बिरादरी का है। उसका क्षत्रिय बिरादरी से कोई संबंध नहीं है। विपक्षी इस बात का गलत तरीके से प्रचार कर रहे हैं। एक ब्राह्मण की मौत पर राजनीति कर रहे हैं। इस राजनीति से मेरा कोई संबंध नहीं है। इस मामले में कड़ी कार्रवाई के लिए मैं पूरे दिन पुलिस और प्रशासन के खिलाफ लगा रहा तथा प्रशासन से सहायता दिलाने के लिए मेरे पहल पर 10 लख रुपए की राशि स्वीकृत हुई है। बाहर होने के कारण मैं गोसेवा आयोग उपाध्यक्ष महेश शुक्ला को मौके पर स्वीकृति पत्र देने के लिए अनुरोध किया था।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान विधायक अजय सिंह काफी भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि मैं नौ दिन नवरात्रि का व्रत हूं। मैं भी सूर्यवंशी क्षत्रिय हूं, मैं भी श्राप दे सकता हूं। ऐसे तत्व जो मेरे बारे में सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार कर रहे हैं, उनका विनाश हो जाएगा।

कर्मचारी संगठनों ने फूंका यूपीएस का पुतलाः पुरानी पेंशन बहाली की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर मोर्चा जिला अध्यक्ष अभिषेक के नेतृत्व में कर्मचारियों ने कृषि भवन के निकट यूपीएस की प्रतियां जलाते हुये विरोध प्रदर्शन किया। मांग किया कि केन्द्र और राज्य की सरकार पुरानी पेंशन नीति को बहाल करे, यूपीएस की नीतियां कर्मचारी विरोधी है और इस नियम से सेवा निवृत्ति के बाद उनका जीवन पूरी तरह से असुरक्षित है। यूपीएस को काला कानून बताते हुये कर्मचारी नेताओं ने मांग किया कि पुरानी पेंशन नीति को तत्काल प्रभाव से बहाल किया जाय।

यूपीएस की प्रतियां

जलाकर विरोध करने वालों में मुख्य रूप से यूपी एग्रीकल्चरल डिपार्टमेन्ट मिनीस्ट्रीय सर्विसेज एसोसिएशन जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय, उत्तर प्रदेश सरकार स्टेनोग्राफर महासंघ के सचिव डीएन वर्मा, अधीनस्थ कृषि सेवा संघ के मण्डल अध्यक्ष अम्बिकेश प्रताप सिंह के साथ ही सूरज वर्मा, पवन मिश्रा, दिलीप, विजय, दीनानाथ, अमित चौधरी, दुर्गेश, राजेन्द्र चौधरी, जितेन्द्र मिश्र, वीरेन्द्र दूबे, धीरज मौर्य, क्षितिज वर्मा, सन्तोष कुमार, वृजेश निषाद, सुरेन्द्र चौधरी, संदीप अमेटा, अमित, हरिओम पटेल, सुमित कुमार, हरिलाल जैसवार, रामकृष्ण शुक्ल, मुकेश कुमार के साथ ही विभिन्न कर्मचारी संगठनों के लोग शामिल रहे।

भाजपा की सरकार में जंगल राजः आदर्श के हत्यारों पर दर्ज हो मुकदमा–कुशल तिवारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व सांसद कुशल तिवारी ने दुबौलिया थाना क्षेत्र के उभाई गांव पहुंचकर नाबालिग आदर्श उपाध्याय के पिता ओम प्रकाश उपाध्याय से मिलकर मामले में न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। घटना की कड़े शव्दों में निन्दा करते हुये उन्होने मुख्य चिकित्साधिकारी, अधिवक्ता आदि से वार्ता कर पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिया।

पीड़ित परिवार से मिलने के बाद समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व सांसद कुशल तिवारी ने कहा कि भाजपा की सरकार में जंगलराज कायम हो गया है। गरीबों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। उन्होने परिवार और स्थानीय नागरिकों को आश्वासन दिया कि प्रशासन को आदर्श उपाध्याय के हत्या मामले में

दोषी पुलिस कर्मियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करना ही होगा। उन्होने इस बात पर हैरानी व्यक्त किया कि प्रशासन और सरकार के लोग मामले की लीपापोती करने में लगे हैं। मृतक नाबालिग आदर्श उपाध्याय के विरूद्ध पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज किया जाना हैरान करने वाला है। कहा कि दोषी किसी कीमत पर बचने नहीं पायेंगे। इसके लिये वे हर स्थिति में पीड़ित परिवार के साथ है।

पूर्व सांसद कुशल तिवारी के साथ पीड़ित परिवार को ढाढस बधाने वालों में मुन्ना मिश्र, प्रशान्त पाण्डेय, अतुल पाण्डेय, नीरज चौधरी, शेषनाथ तिवारी, राहुल चौधरी, गुड्डू पाण्डेय, सुनील मिश्र, रोहित पाण्डेय, के.डी. पाण्डेय के साथ ही सपा के अनेक नेता, स्थानीय ग्रामीण शामिल रहे।

शिक्षा के बाजारीकरण के विरोध में जारी रहेगा अभियान– दीन दयाल त्रिपाठी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पूर्व आईएएस मेधा संस्थापक स्व0 लक्ष्मीकान्त शुक्ल को उनके 72 वें जन्म दिन पर याद किया गया। प्रेस क्लब सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मेधा प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी ने कहा कि छात्रों को आर्थिक आधार पर शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति की सुविधा, जाति मुक्त संविधान की परिकल्पना देने वाले लक्ष्मीकान्त को सेवा काल में ही जाति राज पुस्तक लिखने के कारण बसपा की सरकार में उत्पीड़न का शिकार होना पड़ा। उनकी किताब जातिराज को तत्कालीन सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया इसके बावजूद वे डिगे नहीं और शिक्षा, के सवाल पर सड़क से सर्वोच्च न्यायालय तक आखिरी सांस तक लड़ते रहे। उनकी प्रेरणा से मेधा लगातार शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति की सुविधा के सवाल पर संघर्षरत है और इसके बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं।

दीन दयाल तिवारी ने कहा कि यदि लक्ष्मीकान्त शुक्ल के संकल्पों, सिद्धान्तों का दृढता से पालन हो तो अनेक समस्याओं का समाधान हो जायेगा। कहा कि मेधा उनके सपनों को पूरा करने की दिशा में निरन्तर प्रयत्नशील है। कहा कि

शिक्षा के बाजारीकरण, कमीशनखोरी से अभिभावक त्रस्त है, प्रति वर्ष कमाई के नजरिये से किताबें बदली जा रही है, प्रतिवर्ष रजिस्ट्रेशन फीस के नाम पर अभिभावकों को आर्थिक रूप से कंगाल किया जा रहा है। मेधा इन सवालों को लेकर निरन्तर संघर्षरत है।

कार्यक्रम में शीला पाठक, उमेश पाण्डेय 'मुन्ना', प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, प्रवीण श्रीवास्तव, वीरेन्द्र शुक्ल, गणेश दूबे, वृजेश दूबे, प्रेमचन्द्र पाण्डेय, संजय प्रधान, प्रमोद यादव, राहुल तिवारी, अंशू चौरसिया, अंकेश पाण्डेय, रूद्र आदर्श, जय प्रकाश गोस्वामी आदि ने मेधा द्वारा शिक्षा क्षेत्र में बदलाव के लिये किये जा रहे अभियान के पहल का स्वागत करते हुये पूर्व आईएएस मेधा संस्थापक स्व0 लक्ष्मीकान्त शुक्ल को नमन् किया।

स्व0 लक्ष्मीकान्त शुक्ल के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन् करने वालों में विजय पाण्डेय, आकाश कन्नौजिया, आशीष श्रीवास्तव, कौशल किशोर, गिरीश चन्द्र गिरी, हरि दूबे, नागेन्द्र मिश्र, प्रतीक मिश्र, अजीत कुमार पाण्डेय, राम बोध तिवारी, मयंक पाण्डेय, प्रज्जवल श्रीवास्तव, आयुष उपाध्याय, डा. वीरेन्द्र, राजेश दूबे, अंशू उपाध्याय, राजू दूबे, के साथ ही बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 2 अप्रैल 2025 बुधवार

सम्पादकीय

पेड़ो की कटान पर खामोशी

देश में लगातार जारी पेड़ों की अवैध कटाई के खिलाफ सख्त रवैया अख्तियार करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा है कि एक पेड़ का कटना इंसान की हत्या से भी बदतर है। कोर्ट ने आरोपी व्यक्ति को नये पौधे लगाने की अनुमति तो दी, लेकिन काटे गए 454 पेड़ों के बदले प्रति पेड़ एक लाख रुपये के हिसाब से लगाया जुर्माना कम करने से इनकार कर दिया। ऐसा कोर्ट ने अभियुक्त के गलती स्वीकारने और माफी मांगने के बावजूद किया। इसके जरिये कोर्ट ने साफ संदेश दिया कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों को कोई रियायत नहीं दी जाएगी। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने स्पष्ट संदेश दिया कि संबंधित प्राधिकारी की आज्ञा के बिना पेड़ काटने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि ताजमहल व अन्य पुरातात्विक इमारतों के संरक्षण के लिये बनाये गए ताज ट्रेपोजियम क्षेत्र में 454 पेड़ कटवा दिए गए थे। दरअसल, कोर्ट ने इस मामले में एमिकस क्यूरी के रूप में सहयोग कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एडीएन राव के इस सुझाव पर सहमति जतायी कि कोई कानून और पेड़ों को हल्के में न ले। वहीं जुर्माना लगाने के बाबत भी कोर्ट ने मानक तय किया कि इसमें किसी तरह रियायत नहीं दी जाएगी। कोर्ट ने इस बात को लेकर भी चिंता जतायी कि जो पेड़ काटे गए हैं, उसकी जगह नये पेड़ लगाने के बावजूद इसकी क्षतिपूर्ति में सौ साल लग जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील संरक्षित ताज ट्रेपोजियम क्षेत्र में अदालत ने पेड़ काटने पर वर्ष 2015 से ही प्रतिबंध लगा रखा था। इसके बावजूद अदालत की अनुमति के बिना सैकड़ों पेड़ काट डाले गए। जिसके बाद न्यायालय ने केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति यानी सीईसी की वह रिपोर्ट स्वीकार कर ली कि बीते वर्ष 454 पेड़ काटने वाले व्यक्ति पर प्रति पेड़ के हिसाब से एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाए। कोर्ट ने अभियुक्त की तरफ से पेश वकील वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी की वह दलील ठुकरा दी कि अभियुक्त ने गलती मानते हुए माफी मांग ली है, तो उसे जुर्माना कम करके राहत दी जाए। हालांकि कोर्ट ने पास के किसी स्थान पर पौधरोपण करने की अनुमति जरूर प्रदान कर दी है। ऐसे वक्त में जब पूरी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग के चलते तापमान में निरंतर वृद्धि जारी है, वृक्षों का होना प्राणवायु का जरिया ही है। जो हमें शहरों के कंक्रीट के जंगल से उत्पन्न खतरों से बचाते हैं। खासकर पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण इलाकों में उनकी दोहरी भूमिका है।

पेड़ों के लगातार कटान होने की वजह से दिन प्रतिदिन वन क्षेत्र घटता जा रहा है। आवासीय जरूरतों, उद्योगों के लिए सालों से पेड़ों को काटा जा रहा है। वृक्षों के संरक्षण के लिए बने नियम और कानूनों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। इससे न सिर्फ प्राकृतिक संरचना बिगड़ रही है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदायक साबित हो रहा है। ऑक्सीजन को बचाने के लिए वृक्षों को बचाना होगा। इंसान जो सांस छोड़ता है, वह कार्बनडाई ऑक्साइड होती है। वृक्ष वायुमंडल में फैली इसी कार्बनडाई ऑक्साइड को ग्रहण करते हैं और उसके बदले ऑक्सीजन छोड़ते हैं लेकिन वर्तमान में जिस तेजी से वृक्षों का दोहन किया जा रहा है यह मानव जीवन के लिए संकट के कारण उत्पन्न कर रहा है। वातावरण पर इसका विपरीत असर दिखने लगा है। कभी बाढ़, बेमौसम बरसात, भूकंप, मृदा कटान आदि ऐसी तमाम आपदाएं हैं, जो लगातार लोगों की मुश्किलें बढ़ा रही है। यही नहीं सेहत के लिहाज से तो यह और भी घातक सिद्ध हो रहा है। दिल के मरीजों की तादात भी तेजी से बढ़ रही है।

ऐसे में नीति–नियंताओं को सोचना होगा कि कैसे किसी व्यक्ति को संवेदनशील इलाके में पेड़ काटने की अनुमति दी गई। निरंतर बढ़ते तापमान के दौर में वृक्षों के प्रति संवेदनशीलता शासन–प्रशासन के साथ समाज में भी होनी चाहिए। उत्तराखंड में चिपको आंदोलन और राजस्थान में खेजड़ी वृक्षों को बचाने के लिये लोगों के त्याग व संघर्ष को हमें याद रखना चाहिए। जनता का कड़ा प्रतिरोध भी वृक्षों की रक्षा करने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

भारत– नेपाल सीमा के मदरसे और घुसपैठ

–संजय सक्सेना–

पड़ोसी राज्य नेपाल, भारत और चीन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है।वैसे तो नेपाल के भारत से हमेशा प्रगाण संबंध रहे हैं,लेकिन पिछले कुछ वर्षो में चीन की भी दखलंदाजी वहां बढ़ी है। चीन के कई प्रोजेक्ट नेपाल में चल रहे हैं। भौगालिक रूप से देखा जाये तो चीन और नेपाल की सीमा 1439 किलोमीटर लम्बी है। वहीं भारत और नेपाल की सीमा की लम्बाई 1751 किलोमीटर है। यह सीमाएं उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम से जुड़ी हुई हैं। सबसे लम्बी सीमा 726 किलोमीटर बिहार से उसके बाद उत्तर प्रदेश से 551 और उत्तराखंड से 275 किलोमीट और पश्चिमी बंगाल से 100 एवं सिक्किम से 99 किलोमीटर तक जुड़ी हैं। कभी यह सीमाएं लगभग पूरी तरह से खुली रहती थीं, लोग आसानी से बिना वीजा और पासपोर्ट के एक–दूसरे देशों में आ जा सकते थे। दोनों देशों के बीच व्यापार करने पर भी कोई प्रतिबंद्ध नहीं था,लेकिन अब हालात काफी बदल गये हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि अब इन सीमाओं को लांघकर अराजक तत्व और आतंकवादी ताकतें भी भारत में प्रवेश करने लगी हैं। सीमा खुली होने का फायदा उठाकर पाकिस्तानी, बांग्लादेशियों सहित कई देशों के घुसपैठियें और आतंकवादी भारत में आते हैं और यहां आतंक फैलाते हैं। यही वजह है नेपाल और भारत के बीच की सीमा क्षेत्र में सुरक्षा के मुद्दे को लेकर पिछले कुछ सालों में खासी चिंता देखी गई है। सबसे खास बात यह है कि इन घुसपैठियों और आतंकवादियों के लिये भारत–नेपाल के बार्डर के बार्डर पर बने मदरसे सुरक्षित ठिकाना बन कर उभर रहे हैं। कई मदरसों के तार भारत विरोधी ताकतों के साथ जुडे हुए हैं।

नेपाल की सीमा से सटे इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों का बढ़ना और आतंकवादियों का घुसपैठ करने का प्रयास स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा रहा है। खासकर, 28 फरवरी को काठमांडू में हुई हिंसा ने इस क्षेत्र में तनाव को और बढ़ा दिया है।यह हिंसा सिर्फ नेपाल तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि भारत में भी सुरक्षा के लिहाज से इसे गंभीर माना जा रहा हैं। नेपाल सीमा के पास रहने वाले एक पूर्व शिक्षक का कहना है कि हाल के दिनों में सरहदी क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों का बढ़ना चिंताजनक है। उनका मानना है कि पाकिस्तााान और चीन द्वारा नेपाल सीमा को घुसपैठियों का लॉन्चिंग पैड बनाने की साजिश चल रही है। उनका यह भी कहना है कि कुछ मजहबी शिक्षण संस्थानों में भारत से भागने वाले कुख्यात अपराधियों से लेकर भारत में घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों को भी शरण मिल रही है। बीते फरवरी महीने में सीमा से बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा गया था, जिसे नेपाली मदरसे में शरण मिली थी। यह घटना यह साबित करती है कि नेपाल में कुछ जगहें आतंकवादी गतिविधियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन चुके हैं। नेपाली सुरक्षा एजेंसी की रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि बांग्लादेश के एक आतंकवादी संगठन जमात–उल–मुजाहिदीन के आतंकवादी को नेपाल के सीमा क्षेत्र में पनाह दी गई थी। इसी तरह, अलकायदा इन इंडियन सब कांटिनेंट (एक्यूआईएस) जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन भी नेपाल के बदलते हालात का फायदा उठा सकते हैं। इन संगठनों का लक्ष्य भारत में घुसपैठ कर आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देना हो सकता है। इस संदर्भ में पूर्व आईबी अधिकारी प्रवीण गर्ग का कहना है कि काठमांडू में जो हिंसा हुई, वह नेपाल में राजाबादी आंदोलन को बदनाम करने की एक साजिश हो सकती है। उनके अनुसार, बांग्लादेश को अस्थिर करने के बाद, पाकिस्तान और चीन के सुरक्षा एजेंसियां नेपाल को भी अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं। इन दोनों देशों की खुफिया एजेंसियों की नेपाल में सक्रियता इस संभावना को और मजबूत करती है।

खासकर इस साल की शुरूआत से इन दोनों देश की एजेंसियों की भारत से सटे नेपाली क्षेत्र में बढ़ी सक्रियता एक गंभीर चिंता का विषय है। चौकाने वाली बात यह भी है कि जो नेपाल कुछ वर्षो तक हिन्दू राष्ट्र होता था,वहां अब शरिया कानून की मांग भी उठने लगी है, जो कि पहले नेपाल के मुसलमानों के लिए एक दूर का ख्वाब था। लेकिन अब इसे संसद में कुछ मुस्लिम सांसदों द्वारा उठाया गया है, जो इसे नेपाल के लिए एक नई राजनीतिक दिशा के रूप में देख रहे हैं। वैसे मुस्लिमों की बढ़ती आबादी और शरिया कानून की वकालत के बीच हिन्दू संगठन भी एक बार फिर से नेपाल को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की वकालत करने लगे हैं। हालांकि, राजनीति के कई जानकार नेपाल में शरिया कानून की मांग को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस द्वारा प्रायोजित किया हुआ कदम बता रहे है, जो नेपाल को राजनीतिक रूप से अस्थिर करने की साजिश का हिस्सा है। नेपाली सीमा पर बढ़ रही इन आतंकी गतिविधियों की ओर इशारा करते हुए आंकड़े भी सामने आए हैं, जो यह साबित करते हैं कि भारत में आतंकवादियों के घुसपैठ के प्रयास बढ़े हैं।

बात बार्डर पर चल रहे मदरसों की आतंकवादी गतिविधियों में लिप्तता की कि जाये तो इसके कई केस मिल जाते हैं। इसी वर्ष के शुरूआती महीनों में मटर–धमऊर क्षेत्र के पिलर संख्या 501–6 के पास से एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया था, जिसे मदरसा मदीनतुल में शरण मिली थी। इसी तरह, 2024 में हिजबुल मुजाहिद्दीन के तीन आतंकवादी गिरफ्तार हुए थे, जो नेपाली सीमा के पास स्थित एक मदरसे में ठहरे हुए थे। 2020 में पापलुर फ्रंट ऑफ इंडिया के एक ट्रेनिंग कमांडर राशिद को गिरफ्तार किया गया था, जो नेपाल सीमा से सटे मदरसे में सक्रिय था। इस तरह की घटनाएं यह साबित करती हैं कि नेपाल सीमा पर आतंकवादियों की सक्रियता बढ़ रही है, और सुरक्षा एजेंसियों को इसके प्रति सजग रहने की आवश्यकता है।इसके लिये मदरसों के भी पेंच कसना जरूरी है। गौरतलब हो, सुरक्षा एजेंसियों के पास भी नेपाल सीमा से जुड़ी एक लंबी सूची है, जिसमें विभिन्न आतंकवादियों की गिरफ्तारी का जिक्र है। 2015 में पाकिस्तानी वैज्ञानिक डॉ. जावेद को सोनौली बॉर्डर से गिरफ्तार किया गया था, जो नेपाल में ठहरे हुए थे। 2013 में आतंकवादी अब्दुल करीम टुंडा को नेपाल से भारत में घुसने की कोशिश के दौरान पकड़ा गया था, और इसी साल यासीन भटकल भी गिरफ्तार हुआ था। यही नहीं, 2010 में बढ़नी बॉर्डर से इंडियन मुजाहिद्दीन का आतंकवादी सलमान उर्फ छोटू को गिरफ्तार किया गया था, जो एक नेपाली मदरसे में पनाह लिए हुए था। यह घटनाएं दर्शाती हैं कि नेपाल से घुसने वाले आतंकवादियों की संख्या समय के साथ बढ़ी है और सुरक्षा एजेंसियों को इस पर गंभीर ध्यान देने की आवश्यकता है।

इसी के चलते भारतीय सुरक्षा बलों ने नेपाल से सटी सीमा पर गश्त बढ़ा दी है और इन क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए उच्च तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। हालांकि, नेपाल में इन आतंकवादियों की गतिविधियों को लेकर पूरी तरह से नियंत्रण पाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि नेपाल के अंदर भी कई मदरसे और धार्मिक संस्थान आतंकवादी गतिविधियों के लिए सुरक्षित ठिकाने बन चुके हैं। इन आतंकवादी समूहों के पास न सिर्फ भारतीय बल्कि नेपाली क्षेत्र में भी अपनी जड़ें फैलाने की क्षमता है,जो दोनों ही मुल्कों के लिये बड़े खतरे का संकेत है। समय रहते नेपाल सरकार ने सख्त कदम नहीं उठाये तो दिन पर दिन हालात और भी खराब होते जायेगे। ऐसे में यह महत्वपूर्ण है कि नेपाल और भारत दोनों देश मिलकर सीमा पर सुरक्षा उपायों को और मजबूत करें और आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करें। अंततः, यह कहना गलत नहीं होगा कि नेपाल सीमा पर बढ़ती आतंकी गतिविधियों और घुसपैठ के प्रयासों के बीच दोनों देशों के सुरक्षा बलों के बीच समन्वय और सक्रियता बढ़ाने की आवश्यकता है। साथ ही, नेपाल को अपने आंतरिक सुरक्षा उपायों को भी मजबूत करना होगा ताकि वह आतंकवादियों की गतिविधियों को अपनी सीमा से बाहर रख सके और भारतीय क्षेत्र में उनकी घुसपैठ को रोका जा सके। यह दोनों देशों की सुरक्षा और शांति के लिए आवश्यक है।

ट्रम्प के टैरिफ से मुकाबले की तैयारी

–ओनिंद्यो चक्रवर्ती–

आज, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बदौलत, यह शब्द पिछले चार दशकों से चली आ रही विश्व व्यवस्था में खलल डालने पर तुला है। कुछ ही दिनों में, ट्रम्प की 'जवाबी' टैरिफ नीति हर देश को प्रभावित करने वाली है। अमेरिका में आयात शुल्क दर अब ठीक उतनी होगी जो माल भेजने वाला देश अमेरिकी वस्तुओं के आयात पर लगाएगा। हम पर भी इसका असर होगा। साल 2023–24 में अमेरिका को हमारा निर्यात 78 बिलियन डॉलर रहा और इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में यह 60 बिलियन डॉलर को पार कर गया। इनमें से सबसे बड़ा हिस्सा दवाइयों का था– हमारी दवा कंपनियां अमेरिका को महत्वपूर्ण दवाओं के सस्ते संस्करण निर्यात करती हैं और कमाई मोटी है। इनके बाद सबसे बड़ा अंश था टेलीकॉम उत्पादों का, जैसे कि भारत में पुर्जे जोड़कर बनाए आईफोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिकल गैजेट एवं मशीनें इत्यादि।

हालांकि, हम अमेरिकी उपभोक्ताओं को बहुत अधिक कारें नहीं बेचते हैं, लेकिन ऑटो पार्ट्स हम खूब निर्यात करते हैं। अमेरिकी बाजार हमारे सकल ऑटोमोबाइल निर्यात का 27 प्रतिशत हिस्सा है। हम अन्य देशों को भी ऑटो पार्ट्स निर्यात करते हैं, जिनका उपयोग ऑटोमोबाइल तैयार करने में किया जाता है, जिन्हें आगे अमेरिका भेजा जाता है। निर्यात का एक अन्य बड़ा हिस्सा हीरे एवं सोने के गहने हैं। वर्ष 2024 में, हमने अमेरिका को 12 बिलियन डॉलर के रत्न और आभूषण निर्यात किए। हम वहां कपड़ा और परिधान भी भेजते हैं। पिछले साल, हमने अमेरिका को 11 बिलियन डॉलर के रेडीमेड परिधान, यार्न और टेक्सटाइल बेचे। भारत से अमेरिका को कई किस्म के समुद्री खाद्य पदार्थ भी निर्यात किए जाते हैं। हम अमेरिकी उपभोक्ताओं को विभिन्न किस्मों के चावल भी बेचते हैं। वर्ष 2024 में अमेरिकी बाजार में भारत से कुल मिलाकर 6 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के कृषि उत्पाद, समुद्री भोजन, मछली और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ पहुंचे थे। वर्तमान में, अमेरिका को भारत का सकल निर्यात उसके यहां से आने वाले माल से 45 बिलियन डॉलर अधिक है।

ट्रंप का मानना है कि इस अंतर का एक बड़ा कारण है कि भारत अमेरिकी वस्तुओं पर बहुत अधिक टैरिफ लगाता है, जिससे भारतीय बाजार में अमेरिकी सामान अधिक महंगा हो जाता है। भारत विदेश से घरेलू अर्थव्यवस्था में आने वाली वस्तुओं पर औसतन 12 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। यह अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ से पांच गुना अधिक है। लेकिन बात जब विशिष्ट वस्तुओं की आए तो यह अंतर और भी अधिक गहरा हो जाता है। आयातित कृषि उत्पादों पर भारत औसतन 37.8 प्रतिशत टैरिफ लगाता है जबकि अमेरिका केवल 5.4 प्रतिशत लगा रहा है। अमेरिका में बने ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स पर हमारा टैरिफ उसके द्वारा भारतीय कलपुर्जों पर वहां लगाए जाने वाले शुल्क से 24 प्रतिशत से भी ज्यादा है। हाल ही तक, अमेरिका भारतीय ऑटो कलपुर्जों पर महज 1 प्रतिशत शुल्क लगाता रहा था।

भारत और अमेरिका के टैरिफ के बीच अब तक रहे अंतर में : कृषि उत्पादों में 32.4 प्रतिशत, ऑटो पार्ट्स में 23.1 प्रतिशत, हीरे और सोने के आभूषणों में 13.3 प्रतिशत, फार्मास्यूटिकल्स में 8.6 प्रतिशत तो इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रिकल और दूरसंचार उत्पादों में 7.2 प्रतिशत शामिल है। यही चीज ट्रम्प के निशाने पर है। भारत के टैरिफ जितना शुल्क लगाने का उनका निर्णय या तो भारतीय निर्यात को अप्रतिस्पर्धी बना देगा या फिर अगर भारत चाहता है कि अमेरिकी बाजार तक अपने माल की पहुंच जारी रहे, तो उसे अपने टैरिफ अमेरिका के समान करने को मजबूर होना पड़ेगा। दोनों ही विकल्प भारत के लिए बुरे हैं।

ट्रम्प के जवाबी टैरिफ से भारतीय कृषि उत्पाद, समुद्री भोजन और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अमेरिका में 31 प्रतिशत तक महंगे हो जाएंगे। अमेरिकी उपभोक्ता के लिए यह कारण बासमती चावल की बजाय इसके सस्ते विकल्प 'टेक्समती' की और मुड़ने के लिए काफी होगा। भारतीय ऑटो पार्ट्स भी 23 प्रतिशत महंगे हो जाएंगे। अमेरिकी बाजार में भारत निर्मित दवाएं और अन्य चिकित्सा उत्पाद 7 से 9 प्रतिशत तो रत्न एवं आभूषण 13 प्रतिशत महंगे पड़ेंगे। इससे भारतीय उत्पाद अमेरिकी दुकानों से बाहर हो सकते हैं। हमारे निर्यातक प्रतिस्पर्धा करने में तभी सक्षम हो सकेंगे, जब वे अपनी बिक्री कीमत कम रख पाएंगे। इसलिए, भारतीय झींगा और मसालों को 17 प्रतिशत कम पर बेचना पड़ सकता है ताकि उच्च टैरिफ के बाद भी अमेरिकी सुपर मार्केट में उनकी बिक्री बनी रहे।

पिछले कुछ वर्षों में, भारतीय फार्मा कंपनियों ने अमेरिका में खुदरा दवा बिक्री में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई थी, जिससे आयरलैंड और स्विट्जरलैंड के बाद भारत अमेरिका को तीसरा सबसे बड़ा फार्मास्यूटिकल्स निर्यातक बन गया। अब ट्रंप के जवाबी टैरिफ लागू होने से भारतीय दवा कंपनियों को यह सुनिश्चित करने को कि अमेरिकी उपभोक्ता की जेब पर असर न पड़े, अपनी कीमतों में 6–8 प्रतिशत की कमी करनी पड़ जाएगी, अन्यथा हो सकता है वे फिर से आयरिश और स्विस दवा निर्माताओं की ओर रुख करें, जिन्हें भारतीय कंपनियों के हाथों अपना हिस्सा गंवाना पड़ रहा है।

वास्तव में, ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह बहुत जल्द फार्मास्यूटिकल्स पर और ऊंचे टैरिफ की घोषणा करेंगे, जो जबावी दरों से कहीं अधिक हो सकता है। उस स्थिति में, भारतीय दवा कंपनियों को अपना मार्केट शेयर घटने और मुनाफे में कमी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं अगर अमेरिका निर्मित वस्तुओं पर टैरिफ में भारत कटौती करता है, तो क्या होगा? उस स्थिति में, अमेरिकी कृषि उत्पाद– जैसे मेवे, मिल्क चीज और मीट 24 प्रतिशत सस्ते हो जाएंगे। अमेरिकी कारों की कीमत अभी की तुलना में लगभग आधी हो जाएगी। अमेरिका निर्मित ऑटो पार्ट्स औसतन 19 प्रतिशत सस्ते हो जाएंगे। अमेरिका में बने अन्य उत्पाद भी भारतीय बाजार में 5–12 प्रतिशत सस्ते हो जाएंगे। टैरिफ की दीवारें ऊंची करके ट्रंप अमेरिकी विनिर्माण को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहे हैं।

मानवीय क्षति के कारकों की हो गहरी पड़ताल

–पंकज चतुर्वेदी–

केंद्र और राज्य सरकार के सामने चुनौती बीमारी के असली कारणों को पहचानने की है। बहुत से लोगों को आशंका है कि कहीं सीमा पार से या किसी देश विरोधी ने रासायनिक आतंकवाद का कोई प्रयोग न किया हो।

दो महीने पहले कश्मीर के राजौरी जिले के गांव बड्डाल में हुई 17 लोगों की संदिग्ध मौत की गुत्थी अब और उलझती जा रही है। सीएसआईआर के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च प्रयोगशाला ने गहन जांच के बाद यह स्पष्ट किया कि मौत का कारण ग्रामीणों के शरीर में पाया गया क्लोरफेनेपायर नामक जहरीला रसायन था। इस गांव में 16 लोग ऐसे भी थे जो बीमार हुए, लेकिन डॉक्टर्स ने उन्हें मौत के मुंह से खींच लिया। लोगों का इलाज करने वाले पीजीआई, चंडीगढ़ के डॉक्टर्स का कहना था कि उन्होंने एंटीडोट के रूप में एट्रोपिन दवा का प्रयोग किया, और इसने 100 प्रतिशत परिणाम दिए। हालांकि, एट्रोपिन का इस्तेमाल ऑर्गेनोफॉस्फोरस विषाक्तता के लिए एक प्रभावी उपचार है, लेकिन आश्चर्यजनक यह है कि किसी भी बीमार या मृत व्यक्ति के शरीर में ऑर्गेनोफॉस्फोरस विषाक्तता के लक्षण नहीं दिखे। अब, जिस क्लोरफेनेपायर को मौत का कारण बताया जा रहा है, उसका यहां दूर–दूर तक कोई उपयोग नहीं होता।

समझना होगा कि क्लोरफेनेपायर एक व्यापक स्पेक्ट्रम कीटनाशक है जिसका उपयोग दीमक और फसलों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। मलेरिया के संभावित उपचार के रूप में भी इसको लेकर प्रयोग चल रहे हैं। क्लोरफेनेपायर सूक्ष्मजीवी रूप से उत्पादित यौगिकों के एक वर्ग से प्राप्त होता है, जिसे हैलोजेनेटेड पाइरोल्स के नाम से जाना जाता है। क्लोरफेनेपायर एक सहयोगी –कीटनाशक है, जिसका अर्थ है कि यह एक अन्य रसायन में सक्रिय होकर कीटों को मारता है। क्लोरफेनेपायर का सक्रिय मेटाबोलाइट ट्रालोपायरिल है, जो कीटों के माइटोकॉन्ड्रिया में एटीपी के उत्पादन को बाधित करता है। इससे कीट की कोशिका मर जाती है और अंततः जीव मृत्यु हो जाती है। डब्ल्यूएचओ द्वारा इसकी पहचान एक मध्यम विषाक्त कीटनाशक के रूप में की गई है, लेकिन विषाक्त रोगियों की मृत्यु दर बहुत अधिक है।

क्लोरफेनेपायर इंसान के साथ–साथ पक्षियों, मछलियों और जलीय अकशेरुकी जीवों के लिए अत्यधिक विषैला है। यदि इंसान पर इसका असर हो तो पहले पसीने आते हैं फिर तेज बुखार, रैबडोमायोलिसिस तथा तंत्रिका तंत्र के लक्षणों का बिगड़ना शुरू हो जाता है। वैसे बड्डाल के मरीजों में यह सभी लक्षण देखे गए थे। क्लोरफेनेपायर का उपयोग व्यावसायिक रूप से दीमक नियंत्रण और फसल सुरक्षा के लिए किया जाता है। मलेरिया वेक्टर नियंत्रण में इसके संभावित उपयोग का भी मूल्यांकन किया गया है। प्रयोगशाला अध्ययनों में क्लोरफेनेपायर को बहु–कीटनाशक–प्रतिरोधी मच्छरों के विरुद्ध प्रभावी पाया गया।

हालांकि, जब बड्डाल में बीमारी का हो–हल्ला हुआ तो एम्स दिल्ली सहित कई शीर्ष संस्थाओं की टीम वहां पहुंची। केन्द्रीय मंत्री ने जनवरी के दूसरे हफ्ते में ही कह दिया था कि मरने वालों के शरीर में कैडमियम की भारी मात्रा पाई गई और मौत का कारण यही है। वहीं 24 जनवरी को पीजीआई चंडीगढ़ की रिपोर्ट से पता चला है कि बीमार लोगों के शरीर में बहुत–सी भारी धातु पाई गई है। यही नहीं इन धातुओं की मात्रा सामान्य से कई गुना ज्यादा मिली। विशेषज्ञों के अनुसार ये भारी धातुएं जहर जैसा काम करती हैं। उसके बाद मरीजों के नमूनों को केंद्रीय एफएसएल, डीआरडीओ ग्वालियर व अन्य प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं को भी भेजा गया था।

इस बीमारी के बाद जिले की सभी कीटनाशक और कृषि सामग्री की बिक्री करने वाली दुकानें सील की गईं, वहां से नमूने उठाए गए लेकिन कहीं से भी न भारी धातु और न ही क्लोरफेनेपायर के कोई अवशेष मिले। यही नहीं, इस रसायन को आनलाइन स्टोर से खरीदने के भी कोई प्रमाण नहीं मिले। बड्डाल गांव हिमालय की पीर पंजाल शृंखला की गोद में है और यहां से बहुत सी जल धाराएं बहती हैं। चिनाब की सहायक नदी आन्सी, बड्डाल से होकर गुजरती है। सबसे बड़ी संभावना है कि पानी के माध्यम से भारी धातु इंसान के शरीर में पहुंची। विदित हो बड्डाल और उसके आसपास बहुत–सी नदियां और छोटी सरिताएं हैं। इसके अलावा चंदन, सुख, नील, हानडु सहित कई तालाब हैं। यहां की बड़ी आबादी पानी के लिए झरने या इन्हीं नैसर्गिक सरिताओं पर निर्भर है। चूंकि इस इलाके में कोयला, चूना, बाक्साइट, लौह अयस्क और बेन्टोनाइट जैसे अयस्क मिलते हैं और अवैध खनन यहां की बड़ी समस्या रहा है। ऐसे में खनन अवशेषों के जल धाराओं में मिलने से और उस जल के स्वयं से इस त्रासदी की आगमन की एक संभावना है। शक यह भी किया जा रहा है कि क्या कोई एजेंसी या फार्मा कंपनी गोपनीय और अवैध तरीके से क्लोरफेनेपायर के मलेरिया और मच्छर पर प्रयोग कर रही है और इसके लिए उसने इस गुमनाम गांव के गरीब श्रमिकों को चुना? कड़वा सच यह भी है कि देश के सुदूर, छोटे कस्बों तक गैर प्रामाणिक व विदेश में बने सस्ते कीटनाशकों की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है। कम दाम और अच्छे नतीजों के आश्वासन पर किसान इन्हें लेता है और उचित परिणाम न देने पर कुछ बोल नहीं पाता, क्योंकि उसके पास इसकी खरीद का कोई प्रमाण होता नहीं।

केंद्र और राज्य सरकार के सामने चुनौती बीमारी के असली कारणों को पहचानने की है। बहुत से लोगों को आशंका है कि कहीं सीमा पार से या किसी देश विरोधी ने रासायनिक आतंकवाद का कोई प्रयोग न किया हो।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी बदमाश को लगी गोली

संवाददाता—गोण्डा। भेड़वा घाट पुल के पास कौड़िया थाना पुलिस और एसओजी की संयुक्त कार्रवाई में सोमवार शाम 25 हजार रुपये का इनामी बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस ने घायल बदमाश को तत्काल गोंडा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। आरोपी के कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद की गई है। आरोपी ने बीते शुक्रवार की साथियों संग मिलकर ट्रक ड्राइवर को गोली मार दी थी। कौड़िया थाना क्षेत्र में बीते शुक्रवार की रात आर्यनगर—करनैलगंज मार्ग पर रामपुर के पास स्थित पेट्रोल पंप से तेल भराने के बाद स्क्रैप का माल लेकर पंजाब जा रहे डीसीएम चालक छेदीलाल पुत्र छागुर निवासी नकही थस्था इटहिया पर बुलेट सवार बदमाशों ने गोलियां बरसाई थीं। गोलियां डीसीएम का दरवाजा चीरते हुए चालक को लगीं और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके शिकायती पत्र पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच—पड़ताल शुरू कर दी थी। रविवार को पुलिस ने तीन लोगों को इस मामले में गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। आरोपी कप्तान सिंह उर्फ भूपेन्द्र सिंह पुत्र गिरिराज सिंह निवासी ग्राम सेहरिया थाना वजीरगंज फरार था।

एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि सोमवार देर शाम पुलिस को सूचना प्राप्त हुई की आरोपी कप्तान सिंह उर्फ भूपेन्द्र सिंह भेड़वा घाट पुल की तरफ मोटरसाईकिल से आ रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने भेड़वा घाट पुल के पास उसकी घेराबन्दी कर पकड़ने का प्रयास किया गया। इसपर बदमाश ने स्वयं को घिरता हुआ पाकर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी गई। पुलिस टीम की जवाबी फायरिंग में कप्तान सिंह उर्फ भूपेन्द्र सिंह के बाएं पैर में गोली लगी। उसे उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। मुठभेड़ करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक थाना कौड़िया अरविंद कुमार सिंह, एसओजी प्रभारी संजय कुमार गुप्ता, सर्विलांस प्रभारी अनुज त्रिपाठी, वरिष्ठ उप निरीक्षक सुनील कुमार तिवारी, धर्मेंद्र कुमार यादव ,सुनील कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल अमित पाठक, हृदय नारायण दीक्षित, रणधीर सिंह, रवि, अमितेश सिंह, अंशुमान पांडेय ,आदित्य पाल रहे।

130 गांव के 45 हजार उपभोक्ताओं को मिलेगी बेहतर बिजली

संवाददाता—कुशीनगर। नेबुआ नौरंगिया क्षेत्र के रामपुर कोटवा विद्युत उप केंद्र का आधुनिकीकरण होने जा रहा है। शासन ने इसके लिए 1 करोड़ 88 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत की है। इससे 130 गांवों के 45 हजार उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल सकेगी।

1971 में स्थापित यह 33 केवीए विद्युत उप केंद्र नेबुआ नौरंगिया और खड्डा ब्लॉक के 162 मजरों को बिजली आपूर्ति करता है। पिछले कुछ वर्षों में बिजली कनेक्शन तो बढ़े, लेकिन उपकरणों का अपग्रेडेशन नहीं हुआ। इससे लो वोल्टेज और बिजली ट्रिप की समस्या बनी रहती थी। गर्मियों में अधिक लोड से तार टूटने की घटनाएं होती थीं। उप केंद्र से छह फीडरों के माध्यम से बिजली सप्लाई की जाती है। खजुरी फीडर पर 9 लाख, कोटवा फीडर पर 38.5 लाख, नेबुआ फीडर पर 28.55 लाख, मठिया फीडर पर 21 लाख, कुर्मी पट्टी फीडर पर 31 लाख और सरपती फीडर पर 36.5 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। बिजनेस प्लान 2025—26 के अंतर्गत नौरंगिया और सूरजनगर उपखंडों में नौ नए वितरण परिवर्तक लगेंगे। 18 वितरण परिवर्तकों की क्षमता बढ़ाई जाएगी। 11 केवीए की दो फेज लाइन को तीन फेज में परिवर्तित किया जाएगा। लंबी दूरी के तारों के बीच नए पोल लगाए जाएंगे। साथ ही नई कंडक्टर, पोल और एबी केबल भी स्थापित की जाएंगी।

एसडीओ रूपेश कुमार कुशवाहा ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद इसी वित्तीय वर्ष में कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त पोल लगाने से तार टूटने की घटनाएं कम होंगी और बिजली आपूर्ति सुचारू रहेगी।

मुख्यमंत्री कार्यक्रम को लेकर बढ़ी हलचल, बैराज पहुंचे विशेष सचिव

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवा के रतनपुर रोहिन बैराज के 5 अप्रैल को मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तावित उद्घाटन को लेकर हलचल बढ़ गई है। मंगलवार को विशेष सचिव जल संसाधन एवं सिंचाई विभाग डॉ. अरविन्द कुमार चौरसिया, प्रमुख अभियंता अखिलेश कुमार सचान ने मौके पर पहुंचकर तैयारियां देखीं। जरूरी निर्देश दिया। इस दौरान हेलीपैड स्थल, बेरिकेडिंग, पार्किंग, रोड मैप, पूजा स्थल, सभा स्थल, साफ सफाई आदि में तेजी लाने को कहा गया। इससे पहले सोमवार को डीएम, एसपी, विधायक समेत आला अधिकारियों ने तैयारियों का जायजा लिया था। रोहिन नदी में 148 करोड़ की लागत से रोहिन बैराज बनकर तैयार हो गया है। सिंचाई के लिए बने बैराज से 65 गांव के रतनपुर से लेकर लक्ष्मीपुर तक 16 हजार किसानों को नहर से पानी मिलेगा। लगभग 46 किमी की नहर से 8811 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। मुख्य नहर से चार माइनर है और एक रजवाहा है। दो ब्लाकों को जोड़ने वाली इस नहर में अब कभी पानी खत्म नहीं होगा। किसानों की फसलों के पैदावार में काफी इजाफा होगा।

सिंचाई व जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश के विशेष सचिव व प्रमुख सचिव विभागाध्यक्ष ने तैयारियों का जायजा लेने के साथ ही डेमो कराकर नहर में पानी डलवाकर चेक कराया। साथ ही सभी तैयारियों को जल्द पूरा करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान एसडीएम नवीन प्रसाद, मुख्य अभियन्ता यांत्रिक इन्जीनियर उपेन्द्र सिंह, अधीक्षण अभियन्ता आलोक कुमार, अधीक्षण अभियन्ता यांत्रिक कन्हैया प्रसाद, कार्य प्रबन्धक एस. कुमार,अधिशासी अभियन्ता विनोद कुमार वर्मा, अनुराग कुमार, अमरनाथ मिश्रा, सहायक अभियन्ता वृजेश कुमार सैनी, रूचिन कुमार, इन्जीनियर रमेशचंद्र, उमेन्द्र सिंह, मुकेश कुमार, मनीष कुमार गुप्ता, अवर अभियन्ता कैलाश कुमार, नौतनवा थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार सिंह, तहसीलदार कर्ण सिंह, राजाराम समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

कंपोजिट विद्यालय चौपरिया में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ

संवाददाता—महराजगंज। नए शैक्षणिक सत्र के पहले दिन मंगलवार को नगर के कंपोजिट विद्यालय चौपरिया में स्कूल चलो अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल, सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया, फरेंदा विधायक वीरेंद्र चौधरी तथा मुख्य विकास अधिकारी अनुराग जैन ने किया। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने अधिक से अधिक बच्चों को स्कूल से जोड़ने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सबका मनमोह लिया। मुख्य अतिथियों ने बच्चों के माथे पर तिलक लगाकर स्वागत किया और उन्हें बैग व किताबें वितरित किया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया और समाज के हर वर्ग से इस अभियान को सफल बनाने की अपील की।

2024— 25 सर्वश्रेष्ठ छात्रा को लैपटॉप देकर किया गया सम्मानित

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। थोड़े समय में वैदिक वा आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में तमाम उपलब्धियां हासिल कर चुके भारत सरकार के वैदिक शिक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त श्री गुरू वसिष्ठ गुरुकुल विद्यापीठ अयोध्या के वर्ष 2024—25 के गुरुकुल के सर्वश्रेष्ठ छात्र को अयोध्या के अवध पुरी कॉलोनी निवासी अप्रवासी भारतीय वर्तमान में लंदन में सॉफ्टवेयर इंजीनियर आलोक नारायण सिंह द्वारा उपलब्ध कराए गए लैपटॉप को उनके माता पिता श्री महेश्वर सिंह भारतीय खाद्य निगम के पूर्व जिला प्रबंधक वा श्रीमती राजकुमारी सिंह के कर कमलों से उत्कर्ष ब्रम्हचारी वा समर्थ ब्रम्हचारी को सौंपा। गुरुकुल के निदेशक डॉ दिलीप सिंह ने बताया कि मूलतः अयोध्या के निवासी अप्रवासी भारतीय लंदन में कार्यरत आलोक नारायण सिंह कुछ दिन पूर्व गुरु वशिष्ठ गुरुकुल विद्यापीठ दर्शन नगर के टॉप 10 बटुकों से शैक्षिक वार्ता से प्रभावित होकर संकल्प लिया था कि प्रत्येक वर्ष गुरुकुल के सर्वश्रेष्ठ छात्र को एक लैपटॉप 11000 रुपया उनके ओर से दिया जाएगा, उसी क्रम में उनके माता पिता के हाथों से गुरुकुल द्वारा चयनित उत्कर्ष वा समर्थ ब्रह्मचारी को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ लैपटॉप पुरस्कार स्वरूप दिया गया। उन्होंने ने बताया पूर्व में सैमसंग कंपनी द्वारा 40 टैब गुरुकुल के मेधावी बच्चों को दिया गया है, आई आई टी मद्रास के एक शिक्षक सचिन गूंथे ने गत मार्च में गुरुकुल को 4 कंप्यूटर सिस्टम गुरुकुल को उपलब्ध कराया गया था। गुरुकुल के संरक्षक श्री राम बल्लभा कुंज के अधिकारी राजकुमार दास,अध्यक्ष कुलगुरु मनोज दीक्षित सह प्रबंधक आदर्श सिंह ऋषभ,प्रो आर के सिंह,प्रो राम नयन राय,गुरुकुल के सह मंत्री रमेश सिंह, प्रबंधक महाराजा देवी बक्स सिंह महाविद्यालय,संदीप सिंह ग्रामोदय डिग्री कॉलेज,गुरुकुल के आचार्यों वा चयनित बच्चों को बधाई दी।

मोतीगंज में नहर किनारे मिला नवजात का शव

संवाददाता—गोण्डा। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ककरहवा गांव के पास नहर पुलिया के पास सोमवार सुबह नवजात शिशु का शव मिलने से सनसनी फैल गई। माना जा रहा है कि लोकलाज के भय से किसी अभागी मां ने नवजात का शव चद्दर में लपेट कर फेंका है। सूचना पर फोर्स के साथ पहुंचीं थानाध्यक्ष अनीता यादव ने लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने पंचायतनामा के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बताया जाता है कि मंगलवार की सुबह ककरहवा गांव के कुछ लोग शौच के लिए नहर की तरफ गए थे। नहर के पास झाड़ियों के बगल में एक नवजात शिशु का पड़ा हुआ देख लोग सहम गए। देखते ही देखते नवजात का शव मिलने की सूचना आग की तरह फैल गई। लोगों ने इसकी जानकारी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि आलोक सिंह बाबा को दी। इस पर उन्होंने फोन करके पुलिस को जानकारी दी।

मोतीगंज क्षेत्र में ककरहवा गांव के पास नहर पर नवजात कन्या का शव मिलने पर अगल—बगल के गांव की तमाम महिलाएं वहां पहुंचीं। नवजात का शव देखकर कई महिलाओं रुलाई फूट पड़ी। महिलाओं ने कहा कि जहां देवी आराधना के पर्व में न जाने किस निष्ठुर मां ने इसे अपने कलेजे से अलग कर दिया। महिलाओं ने मामले की गहराई से जांच कराने की मांग की है।

सहकारी समिति के कर्मचारियों ने दी कार्य बहिष्कार की चेतावनी

संवाददाता—महराजगंज। जिला मुख्यालय परिसर में मंगलवार को उत्तर प्रदेश संयुक्त सहकारी समिति कर्मचारी संघ की बैठक हुई। जिलाध्यक्ष शिवमंगल गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में धान और गेहूं खरीद के कमीशन के भुगतान को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। कर्मचारियों ने अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर डीएम को ज्ञापन सौंपा और जल्द भुगतान की मांग की। संघ के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र भुगतान नहीं हुआ तो सहकारी समितियों के कार्यों का बहिष्कार किया जाएगा। जिलाध्यक्ष ने बताया कि धान खरीद वर्ष 2023—24 के दौरान समितियों द्वारा खरीदे गए धान का कमीशन अब तक नहीं मिला है। इसी तरह गेहूं खरीद वर्ष 2024—25 में खरीदे गए गेहूं के कमीशन और पल्लेदारी का भुगतान भी लंबित है। धान खरीद वर्ष 2024—25 के कमीशन और पल्लेदारी का भुगतान नहीं हुआ, जबकि धान खरीद वर्ष 2022—23 की पल्लेदारी का भुगतान ठेकेदार को कर दिया गया। लेकिन समिति कर्मचारियों को अब तक नहीं मिला। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों के कर्मचारी अपने वेतन के लिए पूरी तरह से कमीशन पर निर्भर होते हैं। कमीशन का भुगतान न होने से कई वर्षों से कर्मचारियों का वेतन बकाया है, जिससे वे आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। अधिकारियों से लगातार अनुरोध करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

प्रदेश यूनियन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जवाहर प्रसाद निषाद ने कर्मचारियों की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि यदि जल्द भुगतान नहीं हुआ तो सहकारी समितियों के कार्यों का बहिष्कार किया जाएगा। इस अवसर पर महामंत्री मनोज यादव, उपाध्यक्ष अशोक पाण्डेय, कनक मिश्रा, कोषाध्यक्ष राकेश यादव, मीडिया प्रभारी जितेंद्र मिश्रा, उपाध्यक्ष रामगोपाल यादव, संजय पाण्डेय, सुनील यादव, बुधिराम यादव, अजय मिश्रा, दीपक पाण्डेय, राजकुमार गुप्ता, व्यासमुनी गुप्ता, मधुसूदन पटेल, आलोक मिश्रा, सुधाकर मिश्रा, विक्की यादव सहित तमाम कर्मचारी मौजूद रहे।

अग्निकांड में नौ फूस के घर खाक, तीन पशुशाला भी जली

संवाददाता—बलरामपुर। आग में मंगलवार को महाराजगंज तराई थाना क्षेत्र के विजयीडीह गांव में आठ मकान जलकर खाक हुए हैं। वहीं सादुल्लाहनगर के भगवानपुर ग्रिंट के मजरे कोरियनडीह में एक फूस का मकान व तीन पशुशाला जली हैं। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। दोनों घटनाएं दोपहर 12 से दो बजे के बीच हुई हैं। लेखपालों ने क्षति का आकलन कर लिया है। महराजगंज तराई थाना क्षेत्र के विजयीडीह गांव में मंगलवार दोपहर दो बजे संतोष के घर से अचानक आग की लपटे उठने लगीं। लपटें इतनी तेज थीं कि गांव में फैलता देख लोग भयभीत हो गए। आग ने झब्बर, हीरालाल, रामधीरज आदि के मकान को भी चपेट में ले लिया। आस पास गांव के लोग भी आग बुझाने में जुट गए। लगभग 40 मिनट बाद आग पर काबू पाया जा सका। आठों लोगों के घर में रखा सारा सामान खाक हो गया। झब्बर ने बताया कि पांच मई को उनकी बिटिया की शादी है। बारातियों के लिए रखा राशन, पिसान सब जल गया है। संतोष के घर में रखी साइकिल व खाली गैस सिलेंडर, अनाज, कपड़ा, पांच हजार नकदी व दस हजार के जेवरात जले हैं। रामधीरज ने बताया कि आग फैलकर खेत तक पहुंच गई थी। एक बीघा गेहूं फसल भी जली है। क्षेत्रीय लेखपाल अभिनव ने बताया कि नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट अधिकारियों को भेज दी गई है।

रेहराबाजार थाना क्षेत्र के भगवानपुर ग्रंट के मजरे कोरियन डीह निवासी जगराम ने बताया कि मंगलवार दोपहर में फूलमता के फूस के पशुशाला में अज्ञात कारणों से आग लग गयी। आग की लपटें इतनी तेज थी कि जगराम के फूस घर को भी अपने आगोश में ले लिया। इसके बाद अजय कुमार और विनय कुमार और फूलकला का पशुशाला भी जलकर खाक हो गया। जगराम ने बताया कि अग्निकांड में उनका 2050 रुपये नकद, कपड़े व बर्तन सहित गृहस्थी का सारा सामान जलकर खाक हो गया। विनय कुमार, अजय कुमार व फूलकला ने बताया कि उनके पशुशाला सहित उसमें रखा भूसा व चारा आदि जलकर खाक हो गया। हल्का लेखपाल सुशील मिश्रा ने बताया कि क्षति का ऑकलन कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दिया गया है। प्रधान प्रतिनिधि बलिकरन ने बताया कि पीड़ितों को अधिकारियों से बात कर शीघ्र ही सहायता राशि दिलाई जाएगी।

हर्षोल्लास में डूबी अयोध्या, 6 अप्रैल को प्रभु श्री राम का जन्मोत्सव

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में उल्लास का वातावरण है क्योंकि धार्मिक आध्यात्मिक एवं वैराग्य की नगरी अयोध्या के आराध्य प्रभु श्री राम का जन्मोत्सव 6 अप्रैल को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जिसकी तैयारियां भी लगभग पूरी कर ली गई हैं, अयोध्या के दर्शन व स्थान पर श्री राम कथा श्रीमद् भागवत कथा लोगों को मंत्र मुग्ध कर रही हैं। ऐसा हो भी क्यों ना क्योंकि प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रभु श्री राम का यह दूसरा जन्मोत्सव मनाने की तैयारी चल रही है, अभी कुछ महीने पूर्व आस्था का संगम महाकुंभ के साथ अयोध्या में लिखा था ऐसा ही नजर एक बार पुनः रामनवमी पर दिखने वाला है जिसमें 6 अप्रैल को लाखों लोक अयोध्या में आकर के प्रभु श्री राम का जन्मोत्सव मनाएंगे। इसी क्रम में मां सरयू के तट पर विराजमान आचार्य पीठ श्री लक्ष्मणकिला में महंत मैथिली रमन शरण महाराज के सानिध्य में पूर्वाचार्यों के द्वारा रचित पदों का पदों का गायन, बधाई गायन प्रारंभ हो गया है। अयोध्या समेत कई राज्यों से आए कलाकारों के द्वारा श्री रसिकेन्द्र विहारिणी बिहारी जू सरकार को बधाई कर रहे हैं जिससे लोग उत्साह में डूब जा रहे हैं। जन्मोत्सव के कार्यक्रम का संयोजन श्री लक्ष्मणकिला के अधिकारी सूर्यप्रकाश शरण, प्रिया प्रीतम शरण, पुरुषोत्तम शरण

अधिकारी सूर्य प्रकाश शरण ने बताया कि श्री राम जन्मोत्सव 6 अप्रैल को मनाया जाएगा 30 मार्च से नित्य रात्रि 8 बजे से 12 अप्रैल तक बधाई गायन प्रारंभ हो गया है और 12 अप्रैल को छठी मनाया जाएगा।

संकट मोचन हनुमान किला में यज्ञ, श्री राम नाम संकीर्तन और कथा की बह रही है त्रिवेणी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या।परम तपस्वी अमरकंटक के तपोनिष्ठा संत कायाकल्पी बर्फानी दादा महाराज के आशीर्वाद से धर्मपथ बाईपास पर विराजमान सिद्ध पीठ संकट मोचन हनुमान किला में बह रही है, श्री राम महायज्ञ, नवाह पारायण और श्रीमद् भागवत कथा की त्रिवेणी। नव संवत्सर चैत शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को अखिल भारतीय पंच तेरह भाई त्यागी खालसा खचक चौक और सिद्धपीठ संकट मोचन हनुमान किला पीठाधीश्वर महंत परशुराम दास महाराज के संयोजन में श्रीराम महायज्ञ, अखंड दुर्गा सप्तशती पाठ, श्री राम नाम संकीर्तन एवं श्री रामचरितमानस अखण्ड पाठ और श्रीमद् भागवत कथा। अनुष्ठान का प्रारंभ श्री राम मंदिर निर्माण में आने वाली बढ़ाओ के संकल्प के साथ 2010 में हुआ था जो निरंतर 15 वें वर्ष में भी पूरी आध्यात्मिकता और उत्साह के साथ प्रारंभ हुआ। सबसे पहले तपोनिष्ठा संत महंत रामदास महाराज के सानिध्य में कार्यक्रम के संयोजक महंत परशुराम दास ने पंचांग पूजन, बेदी पूजन, अरणी मंथन कर अग्नि देव को प्रकट किया और उसके उपरांत भगवान श्री राम के नाम महामंत्र से हवन कुंड में आहुतियां पढ़ने लगी। आचार्य जी ने बताया कि सवा लाख श्री राम महामंत्र आहुतियां डाली जाएगी। मंदिर परिसर में नव निर्मित हाल में शाम के सत्र में श्रीमद् भागवत कथा की अमृत वर्षा हो रही है,व्यास पीठ से श्री श्री 1008 श्री महंत गणेश दास महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत अमृत कलश है जिसके श्रवण मात्र से जीव का कल्याण हो जाता है, कथा के तीसरे दिन श्री महाराज जी ने कहा कि आप सब पर ठाकुर जी की कृपा है। जिसकी वजह से आप अवध धाम में कथा का आनंद ले रहे है। श्रीमद भगवत कथा का रसपान कर पा रहें है क्योंकि जिन्हें गोविन्द प्रदान करते है जितना प्रदान करते है उसे उतना ही मिलता है। कथा में यह भी बताया की अगर आप भागवत कथा सुनकर कुछ पाना चाहते हैं, कुछ सीखना चाहते है तो कथा में प्यासे बन कर आए, कुछ सीखने के उद्देश्य से, कुछ पाने के उद्देश्य से आएं, तो ये भागवत कथा जरूर आपको कुछ नहीं बल्कि बहुत कुछ देगी।कार्यक्रम के आयोजन महंत परशुराम दास जी महाराज ने कथा में उपस्थित संतों का स्वागत सम्मान किया और कहा कि हम सबके आराध्य प्रभु श्रीराम की कृपा सभी कार्य संपन्न होते हैं और उन्हीं के आदेश से हनुमान जी महाराज की अध्यक्षता में सभी काम संपन्न हो रहे हैं। कथा के समापन के अवसर पर मुख्य यजमान महंत जयराम दास महाराज ने आरती उतारी प्रसाद वितरण किया गया। यज्ञाचार्य आचार्य कुलदीप तिवारी ने प्रथम प्रथम दिवस के अनुष्ठान को वैदिक विद्वानों के साथ संपन्न कराया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से राम जी भाई पाल मुंबई, अमर सिंह अयोध्या, राजमणि सिंह अयोध्या, डॉ एमपी यादव के साथ सैकड़ो शिष्य परिवार उपस्थित रहे।

संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए शुरू हुआ अभियान

संवाददाता—बहराइच। जिले में मंगलवार को सीएमओ कार्यालय से संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरुआत रैली के माध्यम से की गई। अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता वाहन को रवाना किया। यह अभियान 16 विभागों के समन्वय से 30 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान मच्छरजनित और जलजनित बीमारियों की रोकथाम के प्रति लोगों को जागरूकता प्रदान की जाएगी। 10 अप्रैल से दस्तक अभियान चलाया जाएगा। स्वच्छता, मच्छर नियंत्रण और बीमारी से बचाव के उपायों के साथ ही संचारी रोग से लक्षण युक्त व्यक्तियों की सूची तैयार की जाएगी।

सीएमओ डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि मौसम बदलने से दिमागी बुखार, जेई, मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इस जोखिम को ध्यान में रखते हुए, 3384 आशा कार्यकर्ताओं और 2722 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को तैनात किया गया है। आशा कार्यकर्ता बुखार, आईएलआई, टीबी, कुष्ठ रोग, फाइलेरिया, कालाजार की पहचान करेंगे, जबकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कुपोषित बच्चों की सूची तैयार करेंगे। इन आंकड़ों को ई—कवच पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। अभियान में मच्छरों के प्रजनन क्षेत्रों को नष्ट किया जाएगा और दस्तक अभियान के तहत सभी परिवारों का 'आभा नंबर' सृजित किया जाएगा।

दुर्घटनाओं में दो पैदल यात्रियों को तेज रफ्तार वाहनों ने रौंदा, मौत

संवाददाता—बलरामपुर। आठ मार्ग दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हुई है जबकि तीन दिन पहले सांड के हमले में घायल बाइक सवार अधिवक्ता की लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई है। मामूली रूप से चोटिल आधा दर्जन लोग प्राइवेट चिकित्सकों से इलाज कराकर घर चले गए। सभी दुर्घटना सोमवार रात हुई हैं। पहली दुर्घटना थाना देहात अन्तर्गत बलरामपुर उतरौला मार्ग स्थित गोंदीपुर गांव निकट हुई है। दूसरी दुर्घटना बलरामपुर बहराइच मार्ग स्थित वीटीएम अस्पताल के नजदीक सोमवार रात करीब नौ बजे हुई है। दुर्घटना में मारे गए लोग पैदल थे। उन्हें किस वाहन ने कुचला इस बात का पता नहीं चल सका है। थाना देहात के बूढ़ीडीह निवासी 70 वर्षीय रामतीरथ पुत्र बुधई सोमवार रात लगभग आठ बजे घर लौट रहे थे। गोंदीपुर गांव निकट तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें ठोकर मार दी। वह काफी देर तक सड़क पटरी पर पड़े कराहते रहे। राहगीरों ने देखा तो उन्हें संयुक्त जिला अस्पताल पहुंचाया। घटना की जानकारी पुलिस को भी दी गई। इलाज के दौरान देर रात रामतीरथ की मौत हो गई। इसी तरह थाना देहात के मलुहिया कोइलिहा निवासी 37 वर्षीय अनिल कुमार पुत्र धनई किसी आवश्यक कार्य से घर से निकले थे। बहराइच रोड के वीटीएम अस्पताल मोड़ पर पहुंचे तभी बहराइच की ओर जा रही डिजायर कार ने अनिल कुमार को जोरदार ठोकर मारी। वह लगभग पांच फीट दूर जाकर गिरे। राहगीरों ने पुलिस को दुर्घटना की सूचना दी। वहां पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल अनिल को एम्बुलेंस बुलाकर मेमोरियल चिकित्सालय भेजा। उन्हें वहां से लखनऊ रेफर कर दिया गया। लखनऊ ले जाते समय रास्ते में अनिल की मौत हो गई। शनिवार रात लगभग साढ़े दस बजे कोतवाली नगर अन्तर्गत नई बस्ती निवासी 45 वर्षीय जीएसटी अधिवक्ता नवीन कुमार किसी आवश्यक कार्यवश बाइक से अम्बेडकर तिराहा गए थे। लौटते समय बन्द में खड़े सांड ने उनकी बाइक को धक्का दे दिया। वह जमीन पर गिरे व उनका सिर फट गया। नवीन कुमार को इलाज के लिए लखनऊ भेजा गया था जहां मंगलवार सुबह छह बजे उनकी मौत हो गई।

सोमवार रात बेलहा मोड़ पर दो बाइक आमने सामने टकरा गई। दोनों सड़क पर गिरे लेकिन दोनों को मामूली चोट आई। दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं। प्राइवेट चिकित्सक से इलाज कराकर वह अपने अपने घर चले गए। श्रावस्ती निवासी सिराजुद्दीन रिश्तेदारी में ईद मिलने आए थे। लौटते समय कौआपुर मोड़ के निकट उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई।

उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी में वार्षिक परिणाम वितरित, छात्रों ने दिखाया शानदार प्रदर्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। मंगलवार को उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी में वार्षिक परीक्षाफल का वितरण किया गया।कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को ट्राफी, प्रमाण–पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

एकेडमी के निदेशक विनय शुक्ल ने शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम आने पर कहा कि इसके लिये शिक्षकों एवं छात्रों ने कड़ा परिश्रम किया है। कम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों से कहा कि हताश न हो और कठिन परिश्रम करें। शिक्षा से जीवन बदलता है।

एकेडमी में वार्षिक परिणाम वितरण समारोह में विद्यार्थियों ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस वर्ष कई छात्रों ने 97: से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

प्रधानाचार्य श्रीमती शशिप्रभा त्रिपाठी ने कहा कि छात्रों ने बहुत ही बेहतरीन प्रदर्शन रहा है हम उनके उज्वल भविष्य की कामना करते है श्रेष्ठतम शिक्षा देकर जागरूक, समर्थ नागरिक बनाना उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी का उद्देश्य है, शिक्षक, अभिभावक और छात्रों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है कि एकेडमी निरन्तर मानकों पर खरा उतर रहा है। साथ है नए सत्र की तैयारियां पूरी हो चुकी है नए सत्र में हिन्दी संस्कृत, उर्दू एवं वैदिक गणित भी शामिल किया गया है इसके अतिरिक्त पर्सनालिटी डेवलेपमेंट पर फोकस किया जाएगा।

विद्यालय की टॉपर अंशिका गौतम (नर्सरी क्लास) रहीं, जिन्होंने 100 प्रतिशतअंक प्राप्त कर सबसे उच्च स्थान प्राप्त किया। वहीं, आर्या कसौंधन (कक्षा 7) ने 99.88 प्रतिशत रूपेश वर्मा (कक्षा 8) ने 99.50 प्रतिशत ऋद्धिमा चौधरी (कक्षा 7) ने 99. 06प्रतिशत और मो. कैश (कक्षा 8) ने 99.38 प्रतिशत अंक हासिल किए।

अन्य उच्च प्रदर्शन करने वाले छात्रों में आराध्या पटेल (यूकेजी) – 99.42प्रतिशत, नयरा गुप्ता (कक्षा 1) – प्रतिशत, याशिका यादव (कक्षा 6) – 98.81 प्रतिशत, अजितेश सिंह (कक्षा 3) – 98.20 प्रतिशत, किन्जल यादव (कक्षा 5) – 98.31 प्रतिशत, शाश्वत कसौधन (कक्षा 4)– 98.36 प्रतिशत, ऋद्धि पांडेय (कक्षा 9)– 97 प्रतिशत नित्या कसौधन (कक्षा 9)– 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इनके अलावा कई अन्य छात्रों ने भी 97 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

कक्षा 8 के छात्र मोहम्मद कैश ने 99.38 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया और पूरे वर्ष विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर विद्यालय का नाम रोशन किया। मोहम्मद कैश ने इंटरनेशनल मैथ ओलंपियाड में गोल्ड मेडल जीता, स्टेट लेवल विद्यार्थी विज्ञान मंथन में सफलता प्राप्त की, जिससे उन्हें प्रयागराज में विद्यालय का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। इसके अलावा, उन्होंने इंटरनेशनल साइंस ओलंपियाड समेत कई प्रतियोगिताओं में गोल्ड मेडल जीते। उनकी मेहनत और समर्पण को देखते हुए विद्यालय ने उन्हें "स्टूडेंट ऑफ द ईयर" के खिताब से सम्मानित किया।

एकेडमिक क्वाडिनेटर अपूर्वा त्रिपाठी ने कहा कि इस एकेडमी का उद्देश्य शिक्षा संस्कार एवं संस्कृति के साथ मातृभाषा हिन्दी, उर्दू संस्कृत, वैदिक गणित पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रबंध तंत्र छात्रों के सर्वांगीण विकास को देखते हुए छात्रों के व्यक्तित्व विकास एवं नीट आइआईटी रोबोटिक साइंस क्रिकेट एकेडमी टेबल टेनिस अादि शामिल किया है। जिससे बच्चों को इंटरमीडिएट के बाद यदि किसी कम्पटीशन में शामिल होना पड़े तो उन्हें सहूलियत मिले।

इस अवसर पर रंजना यादव, आंचल, सतनाम कौर, मधु कन्नौजिया, स्तुति मिश्रा, अपराजिता मिश्रा, श्यामा गुप्ता, पूजा उपाध्याय, ममता गुप्ता, खुशबू श्रीवास्तव, कमलोश मिश्रा, नम्रता पाण्डेय,संजय प्रजापति, अमन मिश्रा सहित सभी अध्यापक / अध्यापिकाएं उपस्थित रहें।

सरयू किनारे बने मंदिर में युवक ने तोड़ी मां दुर्गा की प्रतिमा, लोगों में आक्रोश

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में सोमवार की रात सरयू नदी किनारे कच्चा घाट पर बने मंदिर में युवक ने मां दुर्गा की प्रतिमा खंडित कर दी। सुबह लोगों ने देखा तो उनमें आक्रोश फैल गया। घटना की जानकारी मिली तो मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। सूचना पर सीओ आशुतोष तिवारी ने पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के सरयू तट पर कच्चाघाट स्थित मंदिर में मां दुर्गा की मूर्ति तोड़ दी गई। साथ ही मंदिर के दानपात्र में रखे रुपये भी चोरी कर लिए गए। पुलिस ने मंदिर के पुजारी की तहरीर पर आरोपी को गिरफ्तार किया है। रामजन्मभूमि थाना क्षेत्र के चक्रतीर्थ निवासी दिलीप पांडेय ने पुलिस को बताया कि उनके पिता स्व. शिवकुमार पांडेय ने कच्चाघाट के पास मां दुर्गा का मंदिर स्थापित किया था। पड़ोस के रहने वाले मृत्युंजय सिंह उर्फ मुन्ना सिंह ने मंदिर की मूर्ति तोड़कर खंडित कर दिया। कोतवाल मनोज शर्मा ने बताया कि मौके पर खंडित मूर्ति मिली थी। इसे लेकर उनका पुराना विवाद भी सामने आया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। खंडित मूर्ति के स्थान पर दूसरी मूर्ति स्थापित कराई जा रही है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर आधारित स्मारिका का विमोचन

संवाददाता–अयोध्या। रामलला की भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की तिथि 22 जनवरी यानी पौष शुक्ल द्वादशी इतिहास के पन्नों में अंकित हो चुकी है। इस तिथि पर आयोजित समारोह की भव्यता के बारे में आने वाली पीढ़ियां भी जान सकेंगी। राम मंदिर ट्रस्ट ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह की स्मारिका तैयार की है। इसका विमोचन सोमवार को कारसेवक पुरम में एक भव्य समारोह में हुआ। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि 250 पेज की एक स्मारिका तैयार की गई है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश भर के 800 मेहमान शामिल हुए थे।उन्होंने बताया कि 250 पेज की स्मारिका में अयोध्या समेत देश भर के 90 संत धर्माचार्यों के भाव शामिल किए गए हैं। उस दिन उनके मन में क्या भाव थे, यह बताने की कोशिश की गई है।

समारोह की तैयारी से लेकर प्राण प्रतिष्ठा तक की यात्रा को भी बताया गया है। उन्होंने बताया कि स्मारिका में सिर्फ प्राण प्रतिष्ठा उत्सव की जानकारी ही नहीं दी गई है बल्कि इस दिन के लिए क्या–क्या बलिदान देना पड़ा, सुदीर्घ संघर्ष यात्रा का भी जिक्र किया गया है। स्मारिका में मंदिर आंदोलन की जानकारी दी गई है। इसके अलावा हाईकोर्ट के उस निर्णय को भी स्मारिका में अंकित किया गया है जो बाद में सुप्रीम कोर्ट जाने का आधार बना।

विमोचन समारोह का संचालन विहिप के धर्माचार्य संपर्क प्रमुख अशोक तिवारी ने किया। कार्यक्रम में जगद्गुरु श्रीधराचार्य, महंत वैदेही वल्लभ शरण, महंत मुरली दास, महंत धर्मदास, महंत गौरी शंकर दास, महंत गिरीश दास, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, विहिप के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक दिनेश चंद्र, राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र और विधायक अभय सिंह मौजूद रहे।

हाथ में पेट्रोल की बोतल लेकर आत्मदाह करने शराब के ठेके में घुसा युवक, मची खलबली

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या का रामपथ एक बार फिर धंस गया। ऐसे में हादसे की आशंका बनी हुई है। कोतवाली नगर के साहबगंज में गुलाबबाड़ी मोड़ के पास मंगलवार को रामपथ धंस गया। स्थानीय लोगों ने पत्थर रखकर किसी तरह से इसे कवर किया है। ऐसे में कहा जा रहा है कि किसी भी समय दुर्घटना हो सकती है।

इसके पहले भी कई बार रामपथ कई स्थानों पर धंस चुका है। पहले बारिश के मौसम में ऐसा होता था। इस बार भीषण गर्मी के दौरान यह घटना हुई है।

रामपथ के धंसने को लेकर लोक निर्माण विभाग और जल निगम के कई अधिकारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से पूर्व में सस्पेंड भी किए जा चुके हैं।

बता दें कि इसके पहले 22 जून और 25 जून 2024 को तेज बारिश की वजह से रामनगरी के प्रवेश द्वार के बीच करोड़ों की लागत से नवनिर्मित रामपथ धंस गया था। इसे घोर लापरवाही मानते हुए शासन ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के तीन और जल निगम के तीन इंजीनियरों को निलंबित कर दिया था। अब एक बार फिर रामपथ धंसने से इसकी गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

शिक्षकों के लगन और परिश्रम से स्कूलों का माहौल बदला

संवाददाता–गोरखपुर। कौड़ीराम ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय मिश्रौली नवीन में मंगलवार को स्कूल चलो अभियान एवं संचारी रोग उन्मूलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने रैली निकाल कर लोगों को शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। खण्ड विकास अधिकारी सत्येन्द्र पाल सिंह ने कहा कि अध्यापकों की कड़ी मेहनत और लगन से विद्यालयों में शैक्षिक माहौल बदला है। खण्ड शिक्षा अधिकारी जय प्रकाश मौर्य ने कहा कि अध्यापक घर–घर संपर्क अभियान चलाकर घटती हुई नामांकन दर को बढ़ाने का कार्य करें। प्रभारी चिकित्साधिकारी संतोष वर्मा ने बताया कि संचारी रोग से बचने का अच्छा उपाय यह है कि हम अपने आसपास जलजमाव और गंदगी न होने दें। स्कूल चलो अभियान जागरूकता रैली को खंड विकास अधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बच्चे तख्तियां और बैनर लेकर श्पढ़ लो बहना पढ़ लो भाई, पढ़ना–लिखना है सुखदाईश नारा बोलते हुए गाँव का भ्रमण किए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के उत्कृष्ट बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

बाग में पेड़ से लटकता मिला साधु का शव

संवाददाता–अयोध्या। मंगलवार को एक साधु का शव आम की बाग में पेड़ से लटकता मिला। लोगों ने देखा तो खबर आसपास फैल गई। मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। घटना कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के अयोध्या–अकबरपुर हाईवे स्थित मोहतरिमनगर की है। यहां के निवासी अशोक तिवारी की हाईवे किनारे आम की बाग है। सुबह लगभग 7 बजे शौच के लिए निकले ग्रामीणों ने लगभग 60 वर्षीय वृद्ध का शव देखा। इसकी सूचना डायल 112 पुलिस को दी। मौके पर उपनिरीक्षक जगन्नाथ मणि त्रिपाठी टीम के साथ पहुंचे और शव को पेड़ से नीचे उतरवाया। स्थानीय लोगों से बात करके शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद शव को दर्शननगर मेडिकल कॉलेज भेज दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शव के पैर जमीन पर टिके थे। इससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले। पुलिस प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या मान रही है। कोतवाल मनोज शर्मा ने बताया कि आसपास के थाना क्षेत्रों में भी मृतक की फोटो भेजी गई है। उसके पास कोई वस्तु, कागज या मोबाइल फोन आदि नहीं मिला है। मामले की छानबीन की जा रही है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान नायब तहसीलदार नगर बस्ती जिला–बस्ती
मुतफरिका नं0– कायमी
नरसिंह
बनाम
विन्ध्यवासिनी आदि

1. गायत्री प्रसाद पुत्र विन्ध्यवासिनी 2. मु0 सत्यभामा बेवा विन्ध्यवासिनी 3. शैलेश कुमार 4. सुजीत कुमार 5. दिलीप कुमार पुत्रगण विश्वदेव 6. कुमारी खुशी पुत्री राजेश कुमार 7. मु0 साधना देवी बेवा राजेश कुमार 8. शनी पुत्र राजेश कुमार 9. शीतेश कुमार पुत्र महेन्द्र कुमार 10. मु0 सुभावती बेवा महेन्द्र कुमार साकिनान बायपोखर तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 04–04–2025

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 04 माह 04 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–282 / 2010
इन्द्रजीत
बनाम
हरीराम आदि

1/1 सुबास उम्र करीब 40 साल पुत्र हरीराम 1/2 किसमत्ता उम्र करीब 35 साल पुत्री हरीराम निवासी मौजा शिवपुर तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 05–05–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 05 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान चतुर्थ अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–526 / 2021
शंकर यादव
बनाम
श्रीमती राधिका देवी आदि

1. श्रीमती राधिका देवी उर्फ सीता देवी पत्नी छेदूलाल 2. रामचरन पुत्र रामलाल साकिनान मौजा पुरैना तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–435 / 2018
उमेश आदि
बनाम
टिकोरी आदि

3/1 सुकुरता उम्र 55 वर्ष पत्नी स्व0 छोटेलाल 3/2 नन्दकिशोर उम्र 20 वर्ष पुत्र स्व0 छोटेलाल निवासी ग्राम सोन्हिया तप्पा पिपरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 25–04–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 25 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
न्यायालय–सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर
उत्तराधिकार वाद संख्या 44 / 2025

1. सन्तरी उम्र करीब 76 साल पुत्र जुल्लू साकिन शिवपतिनगर टोला कसियापुर पोस्ट विशपतिनगर विकास खण्ड व तहसील नौगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर
–प्रार्थी / आवेदक
बनाम
ईस्टेट

तारीख पेशी 11–04–2025

प्रा0 पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने मृत को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2025 के 04 के 11 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–286 / 2024
श्रीमती शर्मा
बनाम
दिनेश शर्मा

1. दिनेश शर्मा उम्र लगभग 50 साल पुत्र जगदीश निवासी ग्राम डारीडीहा तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 16–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 16 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 22 / 2024
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 प्रथम महोदय नौगढ़ जिला– सिद्धार्थनगर
इन्दल
बनाम
दीनानाथ आदि

1. दीनानाथ 2. रामसुभग उर्फ उमेश 3. जिलाजीत 4. विशवबन्धन पुत्रगण नन्दलाल 5. नन्दलाल पुत्र प्रहलाद 6. ओम प्रकाश 7. सुग्रीम पुत्रगण रामशंकर निवासीगण ग्राम चकईजोत टोला मिश्रौलिया तप्पा घोष परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 16–05–2025

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 16–05–2025 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते है। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–153 / 2022
भरत
बनाम
श्रीमती नीलम आदि

1. श्रीमती नीलम उम्र लगभग 26 साल पत्नी राजेश कुमार 2. राजेश कुमार उम्र लगभग 28 साल पुत्र राम पदारथ साकिन भैसहिया तप्पा देवराव परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 31–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 31 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–574 / 2023
संजय आदि
बनाम
पंकज आदि

2. सोनम पुत्री स्व0 भागवतलाल 3. शकुन्तला देवी पत्नी स्व0 भागवत लाल 5. अनिल कुमार पुत्र स्व0 मोतीलाल 8. दीपा 9. ज्योति 10. प्रिया पुत्रीगण स्व0 गब्बूलाल 11. सर्वेश पुत्र स्व0 गब्बूलाल समस्त निवासीगण मोहल्ला बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 24–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 24 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान चतुर्थ अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–1082 / 1993
झकड़ी
बनाम
इन्द्रजीत मिश्र आदि

9. अहमद जमाल उम्र 55 साल पुत्र महमूद अहमद निवासी मो0 दक्खिन दरवाजा पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,
ई.मेल–bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com